सिद्ध क्षेत्र

श्री सोनागिरि जी

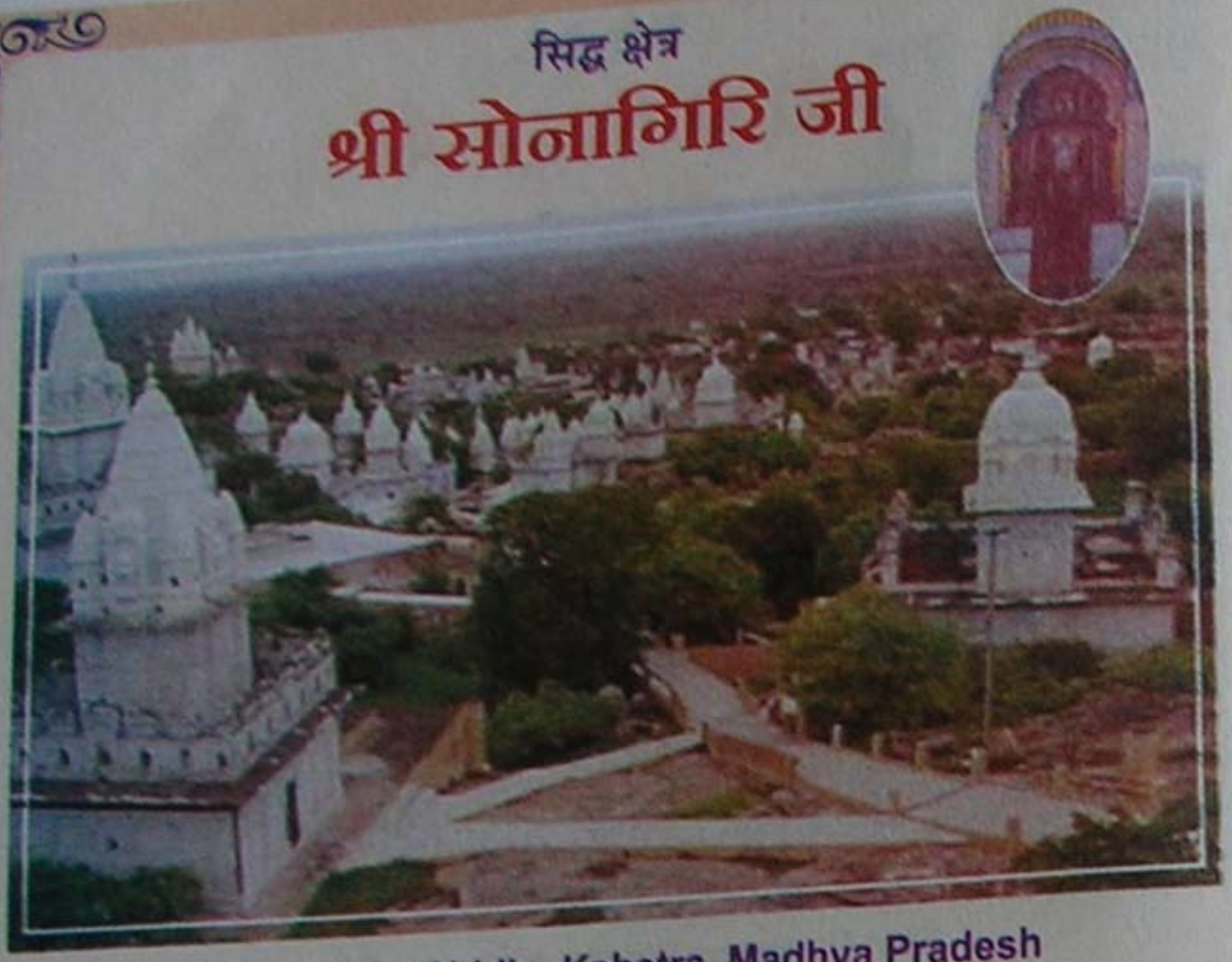

Shri Sonagiri Siddha Kshetra, Madhya Pradesh

अर्घ

नंगानंग कुँवर द्वै राजकुमारजू,
मुक्ति गये सोनागिर सों हितकारजू॥
साढ़े पाँच करोड़ भये शिवराज जी,
पूजों मन वच काय लहों सुखसारजी॥
तिनके चरण जजों मैं मन वच काय के,
भवदधि उतरो पार शरण मैं आय के॥

ॐ ह्रीं नंगानंगकुमारादि साढ़े पाँच करोड़ मुनि मोक्ष पद प्राप्तेभ्यों सोनागिर सिद्धक्षेत्रेभ्यों अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।